



गोवा मुक्तदिविस

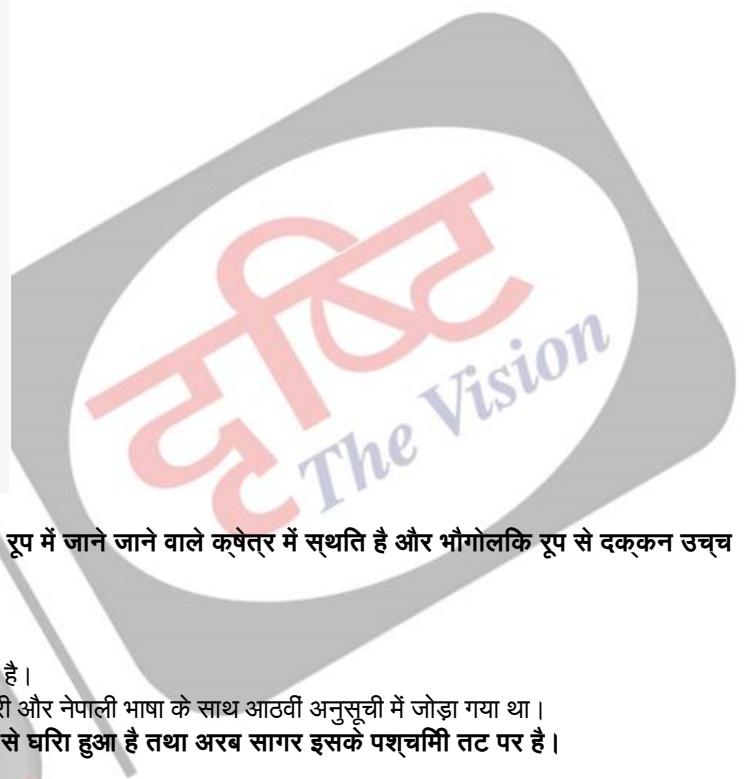
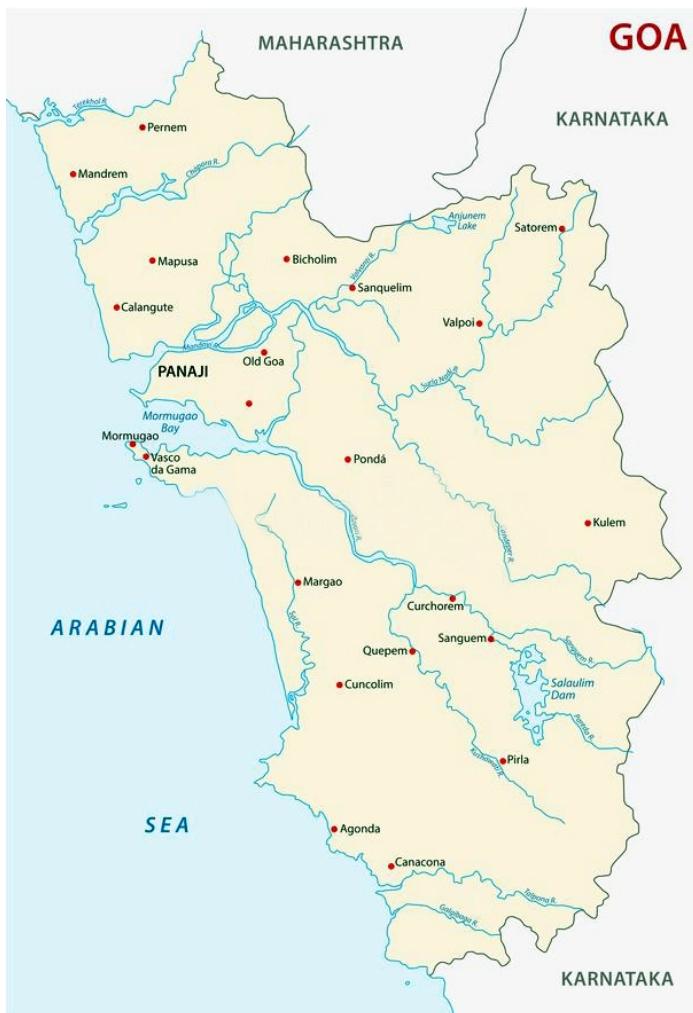
हाल ही में भारतीय नौसेना ने गोवा के मुक्तदिविस की हीरक जयंती (60 वर्ष) के उपलक्ष्य में एक सेमनिअर का आयोजन किया। गोवा मुक्तदिविस हर साल 19 दसिंबर को मनाया जाता है।

प्रमुख बांधिः

- यह दिन उस अवसर को चहिनति करता है जब भारतीय सशस्त्र बलों ने वर्ष 1961 में 450 वर्षों के पुरतगाली शासन से गोवा को मुक्त कराया था।
- वर्ष 1510 में पुरतगालियों ने भारत के कई हस्तियों को उपनविश बनाया लेकिन 19वीं शताब्दी के अंत तक भारत में पुरतगाली उपनविश गोवा, दमन, दीव, दादरा, नगर हवेली और अंजेदावा दीवीप (गोवा का एक हस्ति) तक ही सीमित रहे।
- 15 अगस्त, 1947 को जैसे ही भारत को स्वतंत्रता मिली, भारत ने पुरतगालियों से अपने क्षेत्रों को सौंपने का अनुरोध किया लेकिन इन्होंने इनकार कर दिया था।
- गोवा मुक्तांदोलन छोटे पैमाने पर एक वदिरोह के रूप में शुरू हुआ लेकिन वर्ष 1940 से 1960 के बीच अपने चरम पर पहुँच गया।
- वर्ष 1961 में पुरतगालियों के साथ राजनयिक प्रयासों की वफिलता के बाद भारत सरकार द्वारा ऑपरेशन वजिय चलाकर 19 दसिंबर को दमन और दीव तथा गोवा को भारतीय मुख्य भूमि के साथ मिला लिया गया।
- 30 मई 1987 को इस क्षेत्र का वभिजन हुआ और गोवा का गठन हुआ तथा दमन और दीव को केंद्रशास्ति प्रदेश बनाया गया।
- 30 मई को [गोवा के स्थापना दिविस](#) (Statehood Day of Goa) के रूप में मनाया जाता है।

गोवा

GOA



- **अवस्थिति:** गोवा, भारत के दक्षणी-पश्चिमी तट पर कौंकण के रूप में जाने वाले क्षेत्र में स्थिति है और भौगोलिक रूप से दक्कन उच्च भूमि से पश्चिमी घाट द्वारा अलग होता है।
- **राजधानी:** पणजी
- **आधिकारिक भाषा:** कौंकणी
 - कौंकणी, आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में से एक है।
 - इसे वर्ष 1992 के 71वें संशोधन अधिनियम द्वारा मण्डिरी और नेपाली भाषा के साथ आठवीं अनुसूची में जोड़ा गया था।
- **सीमा:** यह उत्तर में महाराष्ट्र, पूर्व और दक्षणि में कर्नाटक से घरि हुआ है तथा अरब सागर इसके पश्चिमी तट पर है।
- **भूगोल**
 - गोवा का उच्चतम बट्टु सॉसोगोर (Sonsogor) है।
 - गोवा के उत्तर में तेरखोल नदी बहती है जो गोवा को महाराष्ट्र से अलग करती है, राज्य की अन्य प्रमुख नदियों में मांडवी, जुआरी, चपोरा, रखोल, गलाबिंग, कुम्बरजुआ नहर, तलपोना और साल आदि शामिल हैं।
 - गोवा की अधिकांश मृदा आवरण लैटेराइट से बना है।
- **वन्यजीव अभ्यारण्य और राष्ट्रीय उद्यान:**
 - डॉ. सलीम अली पक्षी अभ्यारण्य
 - महारेडी वन्यजीव अभ्यारण्य
 - नेत्रावली वन्यजीव अभ्यारण्य
 - कोटगिओ वन्यजीव अभ्यारण्य
 - भगवान महावीर अभ्यारण्य
 - मोलेम नेशनल पार्क